



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 29 मई, 1998/8 ज्येष्ठ, 1920

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग  
विधायी एवं राजभाषा खण्ड

अधिसूचना

शिमला-2, 29 मई, 1998

सं० एल० एल० आर० (राजभाषा) बी० (16)-4/98.--"दी हिमाचल प्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन ऐक्ट, 1977 (1978 का 15)" क राजभाषा (हिन्दी) अनुवाद को हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल के तारीख 30 अप्रैल, 1998 के प्राधिकार के अधीन एतद्वारा राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किया जाता है। और यह हिमाचल

---

प्रदेश राजभाषा (अनुपूरक उक्त) अधिनियम, 1981 (1981 का 12) की धारा 3 के अधीन उक्त अधिनियम का राजभाषा (हिन्दी) में प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/  
सचिव

## हिमाचल प्रदेश नर्स रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1977

(1978 का 15)

(6 अप्रैल, 1978 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा अनुमत)

(31-12-97 को यथाविद्यमान)

हिमाचल प्रदेश में नर्स, हेल्थ विजिटर, मिडवाइफ, सहायक नर्स मिडवाइफ और दाईयों के रजिस्ट्रीकरण का उपबन्ध करने के लिए अधिनियम।

भारत गणराज्य के अठ्ठाईसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्न-लिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

### अध्याय-1

#### प्रारम्भिक

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश नर्स रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1977 है।

संक्षिप्त नाम,  
विस्तार और  
प्रारम्भ।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश पर है।

(3) यह ऐसी तारीख को प्रवृत्त होगा, जो राज्य सरकार राजपत्र में अधिमूचना द्वारा नियत करे।

2. इस अधिनियम में, जब तक कि कोई बात, विषय या संदर्भ में विरुद्ध न हो,—

परिभाषाएं।

(क) “सहायक नर्स मिडवाइफ” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने इस निमित्त परिषद् द्वारा विहित परीक्षा पास की हो;

(ख) “उपविधि” से धारा 22 या धारा 23 के अधीन बनाई गई उप-विधि अभिप्रेत है ;

(ग) “परिषद्” से धारा 3 के अधीन स्थापित हिमाचल प्रदेश नर्स रजिस्ट्रेशन परिषद् अभिप्रेत है ;

(घ) “दाई” से ऐसा व्यक्ति चाहे उसकी मिडवाइफरी आनुवंशिक उपजीविका रही हो या नहीं जो साधारणतया अभिलाभ के लिए मिडवाइफरी का व्यवसाय करता है और जिसने परिषद् द्वारा मान्यताप्राप्त मिडवाइफरी में, परीक्षाओं में से कोई परीक्षा पास न की हो अभिप्रेत है ;

(ङ) “हेल्थ विजिटर” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जिसने धारा 18 की उप-धारा (2) के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी हेल्थ स्कूल, संस्थान या परीक्षण निकाय से हेल्थ विजिटर का प्रमाण-पत्र अभिप्राप्त किया हो ;

(च) “मिडवाइफ” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने परिषद् द्वारा मान्यताप्राप्त किसी संस्थान या परीक्षण निकाय से मिडवाइफरी का डिप्लोमा अभिप्राप्त किया हो या जो धारा 18 की उप-धारा (2) के अधीन रजिस्ट्रीकृत किया गया हो ;

- (घ) "नर्स" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके पास परिषद् द्वारा मान्यताप्राप्त किसी संस्थान से नर्स का प्रमाणपत्र हो या जो धारा 18 की उप-धारा (2) के अधीन रजिस्ट्रीकृत किया गया हो ;
- (ज) "नर्स दाई" से ऐसी प्रशिक्षित दाई अभिप्रेत है जिसने पंजाब नर्सज रजिस्ट्रेशन काउन्सिल द्वारा विहित नर्स की परीक्षा पास की हो या उक्त काउन्सिल में रजिस्ट्रीकृत हो और जिसका पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 (1966 का 31) की धारा 5 के अधीन हिमाचल प्रदेश में विलीन राज्य क्षेत्र के सन्दर्भ में रजिस्ट्रीकरण, उक्त काउन्सिल से अन्तर्गत किया गया हो ;
- (झ) "रजिस्टर" से इस अधिनियम के अधीन रखा गया रजिस्टर अभिप्रेत है ;
- (ञ) "रजिस्ट्रीकृत" से धारा 18 के उपबन्धों के अनुसार रजिस्ट्रीकृत अभिप्रेत है ;
- (ट) "रजिस्ट्रार" से धारा 15 के अधीन नियुक्त रजिस्ट्रार अभिप्रेत है ;
- (ठ) "रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो भारतीय चिकित्सा उपाधि अधिनियम, 1916 (1916 का 7) की धारा 3 द्वारा या विनिर्दिष्ट और अधिसूचित प्राधिकारी द्वारा या भारतीय आयुर्विज्ञान अधिनियम, 1956 (1956 का 100) की अनुसूची में विनिर्दिष्ट अथवा किसी राज्य में तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि में विनिर्दिष्ट या जो औषधियों की किसी पद्धति में व्यवसायरत है और किसी भी नाम से किसी राज्य चिकित्सा रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत है ;
- (ड) "विनियमों" से धारा 17 के अधीन बनाए गए विनियम अभिप्रेत हैं ;
- (ढ) "नियम" से धारा 33 के अधीन बनाए गए नियम अभिप्रेत हैं ;
- (ण) "प्रशिक्षित दाई" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे परिषद् द्वारा बनाई गई उप-विधियों के अधीन प्रमाण-पत्र दिया गया हो या जिसे धारा 18 की उप-धारा (2) के अधीन रजिस्ट्रीकृत किया गया हो ;
- (त) "अरजिस्ट्रीकृत" से ऐसा व्यक्ति जो धारा 18 के उपबन्धों के अनुसार रजिस्ट्रीकृत न हो, अभिप्रेत है ।

## अध्याय-2

परिषद् का गठन, पदाधिकारियों की नियुक्ति और विनियमों का बनाया जाना

हिमाचल प्रदेश नर्स रजिस्ट्रीकरण परिषद् का गठन ।

3. (1) इस अधिनियम के उपबन्धों के कार्यान्वयन के प्रयोजन के लिए "हिमाचल प्रदेश नर्स रजिस्ट्रीकरण परिषद्" के नाम से एक परिषद् की स्थापना और गठन किया जाएगा ।

(2) परिषद् का गठन निम्नलिखित सदस्यों से होगा, अर्थात्:—

(क) निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएँ, हिमाचल प्रदेश ;

(ख) अनुसूची में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों में से, राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किए जाने वाले आठ सदस्य, जिनमें से एक, अस्पतालों जिनमें परिषद् द्वारा संचालित किन्हीं परीक्षाओं के लिए अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया जाता है का नर्सिंग अधीक्षक होगा ;



- (ग) अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत नर्सों द्वारा निर्वाचित की जाने वाली दो नर्स ;
- (घ) एक रजिस्ट्रीकृत वरिष्ठतम हैलथ विजिटर ;
- (ङ) अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत मिडवाइफों द्वारा निर्वाचित की जाने वाली एक रजिस्ट्रीकृत मिडवाइफ :

परन्तु यदि रिक्ति या रिक्तियां होने के पश्चात् रजिस्ट्रीकृत नर्स या रजिस्ट्रीकृत हैलथ विजिटर या रजिस्ट्रीकृत मिडवाइफ, ऐसी अवधि के भीतर जिसे राज्य सरकार नियमों द्वारा विहित करे, सदस्य या सदस्यों का निर्वाचन करने में असफल रहती है तो राज्य सरकार, ऐसी रिक्ति या रिक्तियों को, यथास्थिति, रजिस्ट्रीकृत नर्स, हैलथ विजिटर, या रजिस्ट्रीकृत मिडवाइफ की नियुक्ति करके भर सकेगी :

परन्तु यह और कि राज्य सरकार खण्ड (ख) से खण्ड (घ) तक में यथा निर्दिष्ट व्यक्तियों में से, जो अपने-अपने रजिस्ट्रों में रजिस्ट्रीकरण के लिए पात्र हैं, प्रथम परिषद् में सदस्य के रूप में नियुक्त कर सकेगी और ऐसे व्यक्ति ऐसी अवधि जैसी राज्य सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट करे, के लिए पदधारण करेंगे ।

(3) परिषद् पूर्वोक्त नाम से एक निगमित निकाय होगी जिसका शाश्वत उत्तराधिकार और सामान्य मुद्रा होगी तथा वह उक्त नाम से वाद लाएगी और उस पर वाद लाया जा सकेगा ।

(4) निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, हिमाचल प्रदेश परिषद् का पदेन अध्यक्ष होगा और उपाध्यक्ष का निर्वाचन उसकी पहली बैठक में इसके सदस्यों में से नाम से, किया जाएगा ।

(5) परिषद् के सदस्य का प्रत्येक निर्वाचन या नियुक्ति, राज्य सरकार द्वारा राजपत्र में अधिसूचित की जाएगी ।

(6) जब तक कि पूर्वगामी उप-धाराओं के उपबन्धों के अनुसार परिषद् स्थापित और गठित नहीं की जाती है, तब तक राज्य सरकार, निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, हिमाचल प्रदेश, सहित आठ सदस्यों से, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा, एक परिषद् गठित कर सकेगी और इस प्रकार गठित परिषद्, इस अधिनियम के प्रारम्भ से और ऐसे प्रारम्भ से तीन वर्ष से अनधिक अवधि के लिए इस अधिनियम के सभी प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए स्थापित और गठित समझी जाएगी तथा उप-धारा (3) और (4) के उपबन्ध ऐसी परिषद् को लागू होंगे ।

4. धारा 3 की उप-धारा (2) के अधीन परिषद् के सदस्यों का निर्वाचन ऐसे समय और स्थान पर तथा ऐसी रीति में जो नियमों या विनियमों द्वारा विहित की जाएं, किया जाएगा और जहां ऐसे किसी निर्वाचन के सम्बन्ध में कोई विवाद उत्पन्न है तो इसे राज्य सरकार को, जिसका विनिश्चय अन्तिम होगा, निर्दिष्ट किया जाएगा ।

सदस्यों का निर्वाचन ।

5. (1) धारा 3 और इस धारा से अन्यथा उपबन्धित के सिवाय, अपने पदाभिधान से नियुक्त सदस्य से भिन्न परिषद् के सदस्य की पदावधि पांच वर्ष होगी

सदस्यों की पदावधि ।

अतः वह उस संविधान में प्रारम्भ की गई स्थिति, यथास्थिति, ऐसे सदस्य की नियुक्ति या निवृत्ति के लिये आवश्यक है। राजपति को अधिसूचित किया जाता है।

(२) पदाभिधान वापस करने पर सदस्य के विरुद्ध कोई सदस्य, जब ऐसे सदस्य के स्थान पर नियुक्ति किसी भी कारण भगना पर अपनी पदावधि से पहले ही रिक्त कर दिया हो, नियुक्ति और निवृत्ति होता है तो वह उस सदस्य की शेष अवधि के लिये पर कारण करेगा जिसके स्थान पर उसे नियुक्त या निवृत्ति किया गया है।

(३) इस अधिनियम में किसी बात के होते हुए भी, पदावधिही सदस्य, जब तक राज्य सरकार प्रत्यक्षा कोई निर्देश न दे, तब तक पद पर बना रहेगा जब तक उसके उत्तराधिकारी का निर्वाचन या नियुक्ति अधिसूचित नहीं की जाती है।

(४) पदावधिही सदस्य, यदि वह शून्यथा अहित है, तो वह पुनः निर्वाचित या पुनः नियुक्त किए जाने के लिए पात्र होगा।

(५) पदाभिधान से नियुक्त परिषद् के सदस्य की पदावधि तब तक जारी रहेगी, जब तक वह ऐसे सदस्य के रूप में पद धारित करता है।

६ यह समझा जाएगा कि परिषद् के सदस्य ने अपना स्थान रिक्त कर दिया है,—

(क) यदि वह परिषद् के अध्यक्ष को अपना त्याग-पत्र प्रस्तुत कर देता है ; या

(ख) यदि परिषद् की राय में, वह बिना किसी पर्याप्त हेतुक के परिषद् की लगातार तीन बैठकों से अनुपस्थित रहता है ; या

(ग) यदि वह लगातार एक वर्ष से अधिक समय के लिए भारत से बाहर अनुपस्थित रहता है ; या

(घ) यदि धारा ३ की उप-धारा (२) के खण्ड (ख), (ग) या (घ) के अधीन सदस्य के मामले में, यथास्थिति, रजिस्ट्रीकृत नर्स, रजिस्ट्रीकृत हेल्थ विजिटर या रजिस्ट्रीकृत महायक नर्स मिडवाइफ अथवा रजिस्ट्रीकृत मिडवाइफ नहीं रहती है ; या

(ङ) यदि वह कार्य करने से इन्कार करता है या परिषद् की राय में, कार्य करने के प्रयोग हो जाता है, या वह शोषनग्रहण या दिवालिया घोषित किया गया हो अथवा किसी ऐसे अवसर के लिए दोष-सिद्ध किया गया हो, या किसी आपराधिक न्यायालय द्वारा किसी ऐसे आदेश के अधीन हो, जो परिषद् की राय में, ऐसी चरित्र त्रुटि के रूप में विवक्षित हुआ हो, जो कि उसे सदस्य होने के लिए अयोग्य बनाता है।

सदस्य का हटाया जाना। ७. इस अधिनियम में किसी बात के होते हुए भी, राज्य सरकार किसी भी सदस्य, ऐसे कारणों से जिसे वह लोकहित को प्रभावित करना हुआ समझती हो, या परिषद् के सदस्यों के दो-निर्वाह अनुमति से पारित प्रस्ताव पर, राजपत्र

में अधिसूचना द्वारा, निदेश ३ पंजी की उक्त हिसी भी विनिर्दिष्ट सदस्य का स्थान, चाहे वह निर्वाचित या नियुक्त है अधिसूचना में विनिर्दिष्ट तारीख को रिक्त हो जाएगा और तदुपरि ऐसा स्थान तदनुसार रिक्त हो जाएगा ।

8. परिषद् में कोई आकस्मिक रिक्त, जो कि विनिर्दिष्ट प्रवर्ग पर निर्भर करते हुए जिसकी ऐसी रिक्त अंग है, यथास्थिति, नए निर्वाचन या नियुक्ति द्वारा भरी जाएगी ।

आकस्मिक रिक्तियां किस प्रकार भरी जाएंगी ।

9. इस अधिनियम के अधीन परिषद् द्वारा किया गया कोई कार्य या कार्यवाहियां, केवल इस आधार पर अविधिमान्य नहीं होगी कि,—

रिक्तियों, आदि से परिषद् की कार्यवाहियों का अविधिमान्य न होना ।

- (क) परिषद् में कोई रिक्त है, या उसके गठन में कोई त्रुटि है;
- (ख) उसके सदस्य के रूप में कार्य करने वाले किसी व्यक्ति की नियुक्ति या निर्वाचन में कोई त्रुटि या अनियमितता है; या
- (ग) ऐसे कार्य या कार्यवाहियों में कोई त्रुटि या अनियमितता है जो मामले के गुणागुण पर प्रभाव नहीं डालती है ।

10. कोई भी व्यक्ति परिषद् के सदस्य के रूप में निर्वाचन या नियुक्ति का पात्र नहीं होगा,—

निरहंत ।

- (क) जो अवयस्क है या अनुमोचित दिवालिया है ; या
- (ख) जिसे सक्षम न्यायालय द्वारा विकृतचित्त न्यायनिर्णीत किया गया है ; या
- (ग) जिसे आपराधिक न्यायालय द्वारा नैतिक अधमता के अपराध के लिए कारावास से दण्डादिष्ट किया गया है ।

11. (1) परिषद् के उपाध्यक्ष की पदावधि पांच वर्ष होगी, किन्तु यह अवधि परिषद् के सदस्य के रूप में उसकी अवधि के अवसान के बाद नहीं रहेगी ।

उपाध्यक्ष की पदावधि ।

(2) उपाध्यक्ष, अध्यक्ष को लिखित नोटिस द्वारा अपने पद से त्याग-पत्र दे सकेगा और परिषद् द्वारा उसका त्यागपत्र स्वीकार किए जाने पर पद रिक्त हो जाएगा ।

(3) जब उपाध्यक्ष का पद रिक्त हो जाता है, तो अन्य सदस्य को उपाध्यक्ष के पद की शेष पदावधि के लिए उपाध्यक्ष के रूप में, जिसके स्थान पर वह निर्वाचित हुआ है या उसके सदस्य के रूप में शेष पदावधि के लिए, जो भी कम हो, निर्वाचित किया जाएगा ।

12. परिषद् की बैठक ऐसे समय और स्थान पर होगी और परिषद् की प्रत्येक बैठक ऐसी रीति में बुलाई जाएगी जैसे विनियमों द्वारा उपबन्धित की जाए :

परिषद् की बैठक का समय और स्थान ।

परन्तु जब तक ऐसे विनियम नहीं बनाए जाते हैं, तब तक अध्यक्ष के लिए विधिपूर्ण होगा कि प्रत्येक सदस्य को लिखित पत्र द्वारा, ऐसे समय और स्थान पर जैसा वह समीचीन समझे, परिषद् की बैठक बुलाए ।

गणपूर्ति।

13. परिषद् को बैठक को गणपूर्ति हेतु सदस्यों को संख्या या अनुपात समय-समय पर विनियमों द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है किन्तु बैठक की ऐसी गणपूर्ति पांच से कम नहीं होगी :

परन्तु, यदि परिषद् की किसी बैठक में गणपूर्ति पूर्ण न हो, तो अध्यक्ष बैठक स्थगित कर देगा और काम-काज जो ऐसी बैठक के समक्ष रखा जाना था, स्थगन के पश्चात् बैठक के समक्ष चाहे उस बैठक में गणपूर्ति हो या न हो संव्यवहार के लिए रखा जाएगा।

परिषद् की बैठकों में कार्यवाहियां।

14. (1) परिषद् का अध्यक्ष, या उसकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष, या दोनों की अनुपस्थिति में, परिषद् द्वारा अपने सदस्यों में से निर्वाचित व्यक्ति, परिषद् की बैठक की अध्यक्षता करेगा।

(2) परिषद् की बैठक में सभी प्रश्नों का विनिश्चय उपस्थित सदस्यों के बहुमत से होगा :

परन्तु मत बराबर होने की दशा में, यथास्थिति, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष या अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति का द्वितीय या निर्णायक मत होगा।

रजिस्ट्रार और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति।

15. (1) ऐसे नियमों के अधीन रहते हुए जो राज्य सरकार इस निमित्त बनाए, परिषद्, राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से एक रजिस्ट्रार नियुक्त करेगी, जो तब तक कोषाध्यक्ष का कार्य भी करेगा, जब तक कि परिषद् किसी अन्य व्यक्ति को कोषाध्यक्ष के रूप में नियुक्त नहीं करती और वह ऐसा वेतन और भत्ते प्राप्त करेगा और सेवा की ऐसी शर्तों के अध्वधीन होगा, जो विहित की जाएं :

परन्तु जब तक कि रजिस्ट्रार इस प्रकार नियुक्त नहीं किया जाता, राज्य सरकार द्वारा, इस अधिनियम के प्रारम्भ से, नियुक्त व्यक्ति ही रजिस्ट्रार समझा जाएगा, जो ऐसे वेतन और भत्ते का हकदार होगा तथा सेवा की ऐसी शर्तों के अध्वधीन होगा जो राज्य सरकार द्वारा अवधारित की जाएं।

(2) परिषद् ऐसे अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति कर सकेगी जो इस अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए आवश्यक हों और ऐसे कर्मचारी ऐसा वेतन और भत्ते प्राप्त करेंगे तथा सेवा की ऐसी शर्तों के अध्वधीन होंगे जो विहित की जाएं।

(3) परिषद् के सभी कर्मचारी, जिसके अन्तर्गत रजिस्ट्रार भी है, भारतीय दण्ड संहिता, 1860 (1860 का 45) की धारा 21 के अर्थान्तर्गत लोक सेवक समझे जाएंगे।

रजिस्ट्रार के कर्तव्य।

16. (1) इस अधिनियम के उपबन्धों और तदधीन बनाए गए नियमों और परिषद् के किसी साधारण या विशेष आदेशों के अध्वधीन, रजिस्ट्रार रखना और परिषद् के सचिव के रूप में कार्य करना रजिस्ट्रार का कर्तव्य होगा।

(2) रजिस्ट्रार, इस अधिनियम और तदधीन बनाए गए किन्हीं नियमों या विनियमों के उपबन्धों के अनुसार रजिस्ट्रार रखेगा और समय-समय पर इस रजिस्ट्रार में दर्ज ऐसी नर्सों, हेल्थ विजिटर्स, मिडवाइफों, नर्स दाई और सहायक नर्स मिडवाइफों,

प्रशिक्षित दाई या दाईयों के नाम और पतों में सभी आवश्यक परिवर्तन करेगा और मृत व्यक्ति के नाम को हटाएगा।

(3) उप-धारा (2) द्वारा अधिरोपित कर्तव्यों के निर्वहन करने में रजिस्ट्रार को समर्थ बनाने में, नर्स, हेल्थ विजिटर, मिडवाइफ, नर्स दाई, सहायक नर्स मिडवाइफ या प्रशिक्षित दाई या दाई के रूप में रजिस्ट्रीकृत किसी व्यक्ति को, उसके रजिस्ट्रीकृत पते पर इस जांच के प्रयोजनों के लिए कि क्या उसने व्यवसाय बन्द कर दिया है या क्या उसका आवास या पता बदल गया है, वह रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा रजिस्ट्रीकृत पत्र भेज सकेगा और यदि ऐसा पत्र भेजने के छः मास की अवधि के भीतर कोई उत्तर प्राप्त न हो, तो रजिस्ट्रार ऐसे व्यक्ति का नाम सम्बन्धित रजिस्टर से हटा सकेगा :

परन्तु इस धारा के अधीन हटाया गया कोई नाम, इस निमित्त किए गए किसी अभ्यावेदन पर ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए और ऐसी फीस के संदाय पर जो परिषद् द्वारा, या यदि परिषद् के आदेश के विरुद्ध अपील की गई है तो धारा 19 के अधीन गठित समिति के निदेशों में, विहित की जाए, पुनः दर्ज किया जाएगा।

(4) यदि परिषद् का समाधान हो जाता है कि कोई प्रविष्टि रजिस्टर में कपटतापूर्वक या गलत दर्ज की गई है तो परिषद् के प्रस्ताव के अनुसरण में वह हटा दी जाएगी या ठीक कर दी जाएगी।

17. (1) परिषद्, निम्नलिखित सभी या किन्हीं विषयों का उपबन्ध करने के लिए इस अधिनियम और तदधीन बनाए गए निषेधों से सुसंगत विनियम बना सकेगी, अर्थात्:—

विनियम बनाने की शक्ति।

- (क) इसकी बैठकों का स्थान और समय ;
- (ख) वह रीति जिसमें बैठक की सूचना दी जाएगी ;
- (ग) बैठक में कारबार का संचालन, उसकी कार्यवाहियों का अभिलेख और बैठक का स्थगन ;
- (घ) बैठक में कारबार के संव्यवहार के लिए आवश्यक गणपूर्ति ;
- (ङ) किसी विषय से सम्बन्धित किसी प्रयोजन के लिए समिति की नियुक्ति और गठन जिसे निपटाने के लिए परिषद् सशक्त है तथा किसी विशेष विषय में परामर्श देने के लिए विशेष रूप से अर्हित व्यक्तियों के सहयोग ;
- (च) परिषद् की बैठक में उपस्थित होने के लिए सदस्यों को याता भत्ता और फीस का संदाय ;
- (छ) सामान्य मुद्रा की अभिरक्षा और प्रयोजन जिनके लिए इसका प्रयोग किया जाएगा ;

(ज) ऐसे व्यक्ति जिनके द्वारा इस अधिनियम के अधीन प्राप्त धन के लिए परिषद् की ओर से रसीद दी जाएगी ; और

(झ) अधिकारियों और सेवकों की नियुक्ति, उनके कर्तव्य, कार्यकारी शक्तियाँ, अवकाश, निलम्बन और उनका हटाया जाना और ऐसे व्यक्तियों को वेतन और भत्ते का संदाय ।

(2) इस धारा की उप-धारा (1) के उपबन्धों के अधीन बनाया गया कोई नियम तब तक प्रभावी नहीं होगा जब तक कि राज्य सरकार द्वारा इसकी पुष्टि नहीं कर दी जाती और राजपत्र में प्रकाशित नहीं कर दिया जाता ।

### अध्याय-3

नर्सों, हेल्थ विजिटर्स, मिडवाइफों और नर्स दाई, सहायक नर्स मिडवाइफ, प्रशिक्षित दाई और दाईयों का रजिस्ट्रीकरण ।

18. (1) प्रत्येक व्यक्ति, जो परिषद् द्वारा यथा विहित शर्तों और निर्वन्धनों का अनुपालन करता है, तथा—

नर्स, हेल्थ  
विजिटर,  
मिडवाइफ,  
सहायक नर्स  
मिडवाइफ,  
नर्स दाई,  
प्रशिक्षित दाई  
और दाईयों  
का रजिस्ट्री-  
करण ।

(क) जिसने आवश्यक पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण ले रखा हो या नर्स, हेल्थ विजिटर, मिडवाइफ, सहायक नर्स मिडवाइफ, नर्स दाई, प्रशिक्षित दाई और दाईयों के लिए विहित परीक्षा, यदि कोई हो, उत्तीर्ण की हो ; या

(ख) किसी संगम से, जो नर्स परिषद् द्वारा मान्यताप्राप्त है, हेल्थ विजिटर या मिडवाइफ, सहायक नर्स मिडवाइफ, के रूप में रजिस्ट्रीकृत है ; या

(ग) परिषद् का यह समाधान कराने में समर्थ है कि भारत में कहीं से भी उसने खण्ड (क) में निर्दिष्ट और परिषद् द्वारा मान्यताप्राप्त पाठ्यक्रम के प्रशिक्षण और परीक्षा की तरह का प्रशिक्षण प्राप्त कर रखा है या परीक्षा उत्तीर्ण कर रखी है ; या

(घ) दाई के रूप में हिमाचल प्रदेश में पहले से नियोजित है या व्यवसाय कर रही है या नर्स, हेल्थ विजिटर, मिडवाइफ, सहायक नर्स मिडवाइफ, नर्स दाई, प्रशिक्षित दाई या दाई के रूप में इस अधिनियम के प्रारम्भ पर कार्य कर रही है ;

रजिस्ट्रार को अपना नाम रजिस्ट्रीकृत करने के लिए आवेदन कर सकेगा/सकेगी :

परन्तु खण्ड (ख) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति से आवेदन तब तक ग्रहण नहीं किया जाएगा जब तक कि यह इस अधिनियम के प्रारम्भ से तीन वर्ष के भीतर प्राप्त न हुआ हो ।

(2) (क) यदि यह समाधान हो जाता है कि उप-धारा (1) के खण्ड (क) या खण्ड (ख) के अधीन आवेदन करने वाली कोई नर्स, हेल्थ विजिटर, मिडवाइफ, सहायक नर्स मिडवाइफ, नर्स दाई, प्रशिक्षित दाई या दाई रजिस्ट्रीकृत किए जाने की हकदार है, तो रजिस्ट्रार ऐसी फीस के संदाय पर जो विहित की जाए, ऐसी नर्स, हेल्थ विजिटर, मिडवाइफ, सहायक नर्स मिडवाइफ, नर्स दाई, प्रशिक्षित दाई या दाई का नाम विहित रजिस्टर में दर्ज करेगा।

(ख) यदि यह समाधान हो जाता है कि उप-धारा (1) के खण्ड (ग) और खण्ड (घ) के अधीन आवेदन करने वाली कोई व्यक्ति, यथास्थिति, नर्स, हेल्थ विजिटर, मिडवाइफ, सहायक नर्स मिडवाइफ, नर्स दाई, प्रशिक्षित दाई या दाई के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने का हकदार है, तो रजिस्ट्रार इस सिफारिश के साथ, कि उसे ऐसे व्यक्ति का नाम विहित रजिस्टर में दर्ज करने की अनुमति दी जाए, आवेदन को परिषद् के समक्ष रखेगा और ऐसे व्यक्ति के बारे में विहित रजिस्टर में तब तक कोई प्रविष्टि नहीं करेगा जब तक कि परिषद् द्वारा प्रविष्टि करना अनुज्ञात नहीं कर दिया जाता।

परन्तु,—

- (i) उप धारा (1) के खण्ड (क) और खण्ड (ख) के अधीन किसी व्यक्ति से आवेदन प्राप्त करने पर, जिसके बारे में रजिस्ट्रार का विश्वास है कि परिषद् खण्ड (ii) के अधीन आवेदन अस्वीकार करने की अपनी शक्ति का प्रयोग करना चाहेंगी, तो वह उक्त आवेदन परिषद् को या धारा 19 में निर्दिष्ट किसी समिति को, निर्दिष्ट कर सकेगा और जब तक परिषद् द्वारा प्रविष्टि करने की अनुमति नहीं दी जाती है, ऐसे व्यक्ति के बारे में रजिस्टर में कोई प्रविष्टि नहीं की जाएगी;
- (ii) परिषद् किसी व्यक्ति का जो ऐसे किसी अपराध, जिससे परिषद् की राय में, चरित्र की कोई त्रुटि विवक्षित होती है जो उसे कर्तव्य के लिए अयोग्य बना देती है या जो ऐसी जवाब के पश्चात् जिसमें ऐसे व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप में या अधिवक्ता के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान किया गया है, परिषद् की बैठक में उपस्थित कम से कम दो तिहाई सदस्यों के बहुमत से परिषद् द्वारा वृत्तिक अवचार या गृहित आचरण का दोषी पाया गया है या संतोषप्रद वृत्तिक अर्हता न रखता हो, रजिस्ट्रीकरण करने की अनुज्ञा देने से इन्कार कर सकेगी; और
- (iii) परिषद्, किसी भी समय, किन्हीं कारणों के लिए, जिन कारणों से वह ऐसे व्यक्ति के रजिस्ट्रीकरण को इन्कार कर सकती है, जांच के पश्चात् जिसमें ऐसे व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप में या अधिवक्ता के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान कर दिया गया हो, रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को चेतावनी या उसका नाम हटाने का निर्देश दे सकती है।

परन्तु यह और कि परिषद् के आदेश के विरुद्ध अपील धारा 19 के अधीन गठित समिति को की जा सकेगी यदि ऐसी अपील रजिस्ट्रीकृत नोटिस, जिसमें दर्शाया गया हो कि परिषद् ने रजिस्ट्रीकरण से इन्कार कर दिया है, की प्राप्ति के एक मास के भीतर या समय के भीतर अपील न करने का पर्याप्त कारण बताने पर, अपील करने के लिए बढ़ाई गई अवधि के भीतर की जाती है।

(2) यदि कोई स्थानीय प्राधिकरण, इस अधिनियम के प्रारम्भ की तारीख से छः मास के भीतर उप-धारा (1) के अधीन उप-विधियाँ बनाने में असफल रहता है, तो राज्य सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा किसी अरजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को नर्स, हेल्थ विजिटर, मिडवाइफ, सहायक नर्स मिडवाइफ, नर्स दाई, प्रशिक्षित दाई या दाई के रूप में ऐसे स्थानीय प्राधिकरण के अधीन क्षेत्र के भीतर व्यवसाय करने से प्रतिषिद्ध कर सकेगी और कोई अरजिस्ट्रीकृत व्यक्ति जो ऐसी अधिसूचना के उल्लंघन में व्यवसाय कर रहा है, प्रथम वर्ग मैजिस्ट्रेट द्वारा दोषसिद्धि पर, प्रथम अपराध के लिए पचास रुपए से अनधिक जुर्माने और द्वितीय और प्रत्येक पश्चात्तवर्ती अपराध के लिए दो सौ रुपए से अनधिक जुर्माने का दायी होगा।

(3) परिषद् अपना यह समाधान करने पर कि समय जीत जाने के कारण या अन्यथा उक्त उप-धारा में उल्लिखित नियोग्यता का कोई प्रभाव नहीं रहा है यह निदेश दे सकेगी कि किसी व्यक्ति का नाम, जिसके विरुद्ध उप-धारा (2) के परन्तुक के अधीन, आदेश पारित किया गया है, दर्ज किया जाए।

(4) यदि रजिस्ट्रार का समाधान नहीं होता है कि वह व्यक्ति जिसने उप-धारा (1) के अधीन आवेदन किया है, रजिस्ट्रीकृत किए जाने का हकदार है, तो वह आवेदन रद्द कर देगा :

परन्तु रजिस्ट्रार द्वारा ऐसे रद्दकरण के विरुद्ध अपील परिषद् को होगी यदि ऐसी अपील, आवेदक द्वारा आदेश प्राप्त किए जाने की तारीख से एक मास के भीतर की जाती है।

(5) उप-धारा (2) के प्रथम परन्तुक के अधीन जांच के या उप-धारा (4) के अधीन अपील के प्रयोजन के लिए परिषद् भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 (1872 का 1) के अर्थान्तर्गत न्यायालय समझी जाएगी और लोक सेवक (जांच) अधिनियम, 1850 (1850 का 37) के अधीन आयुक्त की सभी शक्तियों का प्रयोग करेगी और ऐसी जांच या अपील, जहां तक हो सके, लोक सेवक (जांच) अधिनियम, 1850 (1850 का 37) की धारा 5 और धाराएं 8 से 20 के उपबन्धों के अनुसार संचालित की जाएगी; परन्तु उपर्युक्त अधिनियमों की कोई बात, परिषद् को जांच या किसी अपील की सुनवाई बन्द कमरे में करने से निवारित नहीं करेगी।

परिषद् की  
समिति को  
शक्तियों का  
प्रत्यायोजन।

19. परिषद् यह निदेश दे सकेगी कि, धारा 18 के अधीन इस द्वारा सुनी जाने वाली अपील या संचालित की जाने वाली जांच परिषद् के ऐसे सदस्यों से गठित परिषद् समिति द्वारा जैसे यह निदेश दे, सुनी या संचालित की जाएगी।



20. रजिस्ट्रार निम्नलिखित रजिस्टर रखेगा :—

रजिस्टर  
रखना।

- (क) हिमाचल प्रदेश में रजिस्ट्रीकृत प्रत्येक नर्स का नाम और पता दर्शाने वाला रजिस्टर;
- (ख) हिमाचल प्रदेश में रजिस्ट्रीकृत प्रत्येक हेल्थ विजिटर का नाम व पता दर्शाने वाला रजिस्टर;
- (ग) हिमाचल प्रदेश में रजिस्ट्रीकृत प्रत्येक मिडवाइफ का नाम व पता दर्शाने वाला रजिस्टर;
- (घ) हिमाचल प्रदेश में रजिस्ट्रीकृत प्रत्येक सहायक नर्स मिडवाइफ का नाम व पता दर्शाने वाला रजिस्टर;
- (ङ) हिमाचल प्रदेश में रजिस्ट्रीकृत प्रत्येक नर्स दाई का नाम व पता दर्शाने वाला रजिस्टर; और
- (च) हिमाचल प्रदेश में रजिस्ट्रीकृत प्रत्येक प्रशिक्षित दाई या दाई का नाम व पता दर्शाने वाला रजिस्टर।

21. (1) रजिस्ट्रार, प्रत्येक पांच वर्ष में कम से कम एक बार, परिषद् द्वारा इस निमित्त नियत की जाने वाली तारीख को या उससे पूर्व, तत्समय रजिस्टर में दर्ज नामों की सही सूची निम्नलिखित बताते हुए मुद्रित और प्रकाशित करवाएगा:—

नर्स, हेल्थ  
विजिटर्स,  
मिडवाइफ,  
हायक नर्स  
मिडवाइफ,  
नर्स दाई,  
और दाईयों  
की वार्षिक  
सूची।

- (क) क्रमिक रजिस्टर में वर्ण क्रमानुसार दर्ज नाम;
- (ख) प्रत्येक व्यक्ति, जिसका नाम रजिस्टर में दर्ज किया गया है, का रजिस्ट्रीकृत पता; और
- (ग) प्रत्येक व्यक्ति की रजिस्ट्रीकृत अर्हताएं और तारीख जब ऐसी अर्हताएं प्रमाणित की गई थीं।

(2) प्रत्येक न्यायालय यह उपधारणा करेगा कि जिस व्यक्ति का नाम ऐसी सूचियों की सबसे अन्तिम सूची में दर्ज है, वह इस अधिनियम के अधीन सम्यक् रूप से रजिस्ट्रीकृत है और कि जिस व्यक्ति का नाम इस प्रकार से दर्ज नहीं है वह इस अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत नहीं है :

परन्तु, किसी ऐसे व्यक्ति की दशा में जिसका नाम किन्हीं ऐसी सूचियों में नहीं है, रजिस्टर में ऐसे व्यक्ति के नाम की प्रविष्टि की रजिस्ट्रार द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाणित प्रति इस बात का कि ऐसा व्यक्ति इस अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत है निश्चायक साक्ष्य होगी :

परन्तु यह और कि रजिस्ट्रार द्वारा हस्ताक्षरित तात्पर्यित प्रमाण-पत्र जिस में दर्शात है कि व्यक्ति का नाम ऐसे रजिस्टर से हटा दिया गया है और उसमें ऐसे नाम हटाए जाने की तारीख अंकित कर दी है, ऐसे हटाए जाने की तारीख, ऐसे तथ्य और हटाए जाने की तारीख का निश्चायक सबूत होगा।

22. (1) कोई स्थानीय प्राधिकरण, अरजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को नर्स, हेल्थ विजिटर, मिडवाइफ, सहायक नर्स मिडवाइफ, नर्स दाई, प्रशिक्षित दाई या दाई के रूप में, अपने प्राधिकार के अधीन क्षेत्र के भीतर, व्यवसाय करने से प्रतिषिद्ध करने के लिए उप-विधि बना सकेगी और ऐसी उप-विधि में यह उपबन्ध कर सकेगी कि कोई व्यक्ति जो ऐसी उप-विधियों के उल्लंघन में व्यवसाय कर रहा है या प्रत्येक व्यक्ति जो ऐसी किन्हीं उप-विधियों का भंग कर रहा है या किसी को करने भंग

अरजिस्ट्रीकृत  
व्यक्ति को  
व्यवसाय करने  
से प्रतिषिद्ध  
करने की  
शक्ति।

के लिए उत्प्रेरित कर रहा, वह प्रथम वर्ग के मैजिस्ट्रेट द्वारा दोषसिद्धि पर, प्रथम अपराध के लिए पचास रुपए से अनधिक जुर्माने और द्वितीय तथा प्रत्येक पश्चात्-वर्ती अपराध के लिए दो सौ पचास रुपए से अनधिक जुर्माने का दायी होगा।

(3) तत्समय प्रवृत्त किसी अधिनियमित, नियम, उप-विधि या विधि के अन्य उपबन्धों में किसी बात के प्रतिकूल होते हुए भी, रजिस्ट्रीकृत नर्स, रजिस्ट्रीकृत हेल्थ विजिटर, रजिस्ट्रीकृत मिडवाइफ, रजिस्ट्रीकृत सहायक नर्स मिडवाइफ, रजिस्ट्रीकृत नर्स दाई, रजिस्ट्रीकृत प्रशिक्षित दाईयां, दाई से भिन्न कोई व्यक्ति, कोई निगुक्ति धारण करने के लिए सक्षम होगा या इस रूप में किसी अस्पताल, आश्रम, रुग्णालय, औषधालय, नर्सिंग होम, प्रसूति गृह, स्वास्थ्य केन्द्र या ऐसी अन्य संस्था, प्राइवेट या सार्वजनिक, चाहे, वह ऐच्छिक अंशदान से समर्थित हो या नहीं, नियोजित किया जाएगा।

उप-विधि  
बनाने की  
शक्ति।

23. परिषद् पूर्व प्रकाशन के पश्चात्, निम्नलिखित के लिए उप-विधि बना सकेगी,—

- (क) नर्स, हेल्थ विजिटर, मिडवाइफ, सहायक नर्स मिडवाइफ, नर्स दाईयां या प्रशिक्षित दाई या दाईयों के प्रशिक्षण के लिए पाठ्यक्रम और इनके रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हताएं विहित करने और ऐसे प्रशिक्षण देने के लिए सक्षम संस्थानों की मान्यता के लिए उपबन्ध करने;
- (ख) प्रमाण-पत्र जारी करने, रजिस्टर रखने और ऐसे रजिस्ट्रों में व्यक्तियों के नाम ग्रहण करने की शर्तें विनियमित करना और ऐसे ग्रहण के लिए आवेदन प्रारूप विहित करने और डियूटि के समय रजिस्ट्रीकृत नर्सों, रजिस्ट्रीकृत हेल्थ विजिटर्स, रजिस्ट्रीकृत मिडवाइफों, रजिस्ट्रीकृत सहायक नर्स मिडवाइफों, रजिस्ट्रीकृत प्रशिक्षित दाई या दाईयों के लिए वर्दी और बैज पहनना विहित करने;
- (ग) रजिस्ट्रीकरण के लिए फीस विहित करने और रजिस्ट्रों से हटाए गए नामों को पुनः दर्ज करने;
- (घ) रजिस्ट्रीकृत नर्सों, रजिस्ट्रीकृत हेल्थ विजिटर्स, रजिस्ट्रीकृत मिडवाइफों, रजिस्ट्रीकृत सहायक नर्स मिडवाइफों, रजिस्ट्रीकृत नर्स दाईयों, रजिस्ट्रीकृत प्रशिक्षित दाई या दाईयों के नामों की सूची प्रकाशन को विनियमित करने;
- (ङ) नर्सों, हेल्थ विजिटर्स, मिडवाइफों, सहायक नर्स मिडवाइफों, नर्स दाईयों, प्रशिक्षित दाई या दाईयों की परीक्षा के संचालन को विनियमित करने तथा परीक्षा के लिए फीस विहित करने;
- (च) डिप्लोमा, अनुज्ञप्ति, प्रमाण-पत्र या अन्य दस्तावेज यह कथित या अन्तर्हित करते हुए प्रदत्त, प्रदान करने या जारी करने कि उसका धारक प्राप्तकर्ता या प्रापक नर्स, हेल्थ विजिटर, मिडवाइफ, सहायक नर्स मिडवाइफ, नर्स दाई, प्रशिक्षित दाई या दाई के रूप में व्यवसाय करने या अन्यथा कार्य करने के लिए अर्हित है;
- (छ) नर्सों, हेल्थ विजिटर्स, मिडवाइफों, सहायक नर्स मिडवाइफों, नर्स दाईयों, प्रशिक्षित दाईयों या दाईयों के लिए प्रशिक्षण स्कूलों के रूप में मान्यताप्राप्त संस्थानों की सहवृद्धता के लिए फीसों का मापमान विहित करने;
- (ज) परिषद् द्वारा परीक्षाओं के संचालन के लिए नियुक्त परीक्षक, पर्यवेक्षकों, निरीक्षकों की फीस, पारिश्रमिक और यात्रा भत्ते का मापमान विहित करने;

- (अ) परिषद् के प्रकाशनों की कीमत विहित करने; और  
(आ) रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों के आचरण को विनियमित करने।

24. (1) धारा 22 या धारा 23 के अधीन बनाई गई उप-विधि तब तक प्रवृत्त नहीं होगी जब तक कि राज्य सरकार द्वारा इनकी पुष्टि नहीं कर दी जाती है और राजपत्र में प्रकाशित नहीं की जाती है। उप-विधिकी पुष्टि और प्रकाशन।

(2) राज्य सरकार, किसी ऐसी उप-विधि की पुष्टि को रद्द कर सकेगी और तदुपरि उप-विधि प्रभावहीन हो जाएगी।

25. इस अधिनियम द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्य सरकार या परिषद् द्वारा गठित समिति या रजिस्ट्रार द्वारा की गई किसी कार्रवाई को किसी सिविल न्यायालय में प्रश्नगत नहीं किया जाएगा।

इस अधिनियम के अधीन किए गए कार्यों के बारे में कोई वाद नहीं लाया जाएगा।

26. इस अधिनियम की कोई बात, रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायियों को लागू नहीं होगी।

इस अधिनियम के उपबन्धों से रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायियों को छूट।

27. राज्य सरकार, परिषद्, परिषद् द्वारा गठित समिति या रजिस्ट्रार द्वारा पारित किसी आदेश या इस अधिनियम के अधीन रखे गए रजिस्टर में किसी प्रविष्टि की प्रतियों का प्रदाय ऐसी फीस के संदाय पर, जो विहित की जाए, किया जाएगा।

आदेशों या रजिस्टर में प्रविष्टियों की प्रतियां जारी करने की फीस।

28. इस अधिनियम के अधीन फीस के रूप में परिषद् द्वारा प्राप्त समस्त धन विहित रीति में, इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए उपयोजित किया जाएगा।

परिषद् द्वारा प्राप्त फीस का उपयोजन।

29. कोई व्यक्ति जो,—

- (क) इस अधिनियम के उपबन्धों के अधीन उसकी या किसी अन्य व्यक्ति को जारी किसी रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र का बेईमानी से उपयोग करता है; या  
(ख) कोई मिथ्या या कपटपूर्ण, घोषणा, प्रमाण-पत्र, या अभ्यावेदन चाहे वह लिखित हो या अन्यथा या प्रस्तुत करवाकर या प्रस्तुत करके इस अधिनियम के उपबन्धों के अधीन रजिस्ट्रीकरण उपाप्त करता है या उपाप्त करने का प्रयत्न करता है; या

बेईमानी से प्रमाणपत्रों आदि के उपयोग के लिए शास्ति।

- (ग) इस अधिनियम के उपबन्धों के अधीन रखे गए रजिस्ट्रारों या जारी किए गए प्रमाण-पत्र से सम्बन्धित किसी विषय में जान बूझकर कोई मिथ्याकरण करता है या करवाता है; प्रथम वर्ग के मैजिस्ट्रेट द्वारा दोषसिद्धि पर, जुर्माने से जो तीन सौ रुपए तक का हो सकेगा, दण्डनीय होगा।

विधि विरुद्ध रजिस्ट्रीकृत नर्स, हेल्थ विजिटर, सहायक नर्स मिडवाईफ, नर्स दाई, प्रशिक्षित दाई या दाई का पदनाम धारण करने के लिए शास्ति।

30. कोई व्यक्ति जो, यथास्थिति, रजिस्ट्रीकृत नर्स, या रजिस्ट्रीकृत हेल्थ विजिटर, या रजिस्ट्रीकृत मिडवाईफ या रजिस्ट्रीकृत सहायक नर्स मिडवाईफ, या रजिस्ट्रीकृत नर्स दाई, या रजिस्ट्रीकृत प्रशिक्षित दाई, या दाई न होते हुए, या विवक्षित करते हुए कोई नाम, पदनाम अभिवर्णन, विवरण या नामपट्ट धारण करता है कि ऐसा व्यक्ति रजिस्ट्रीकृत है या किसी रीति में परीक्षाओं का संचालन विनियमित करता है, अथवा उस अधिनियम या तदधीन बनाए गए नियमों या उपविधियों में यथा-उपबन्धित से सिवाय, डिप्लोमा या प्रमाण-पत्र प्रदत्त या प्रदान करता है दोषसिद्धि पर, प्रथम वर्ग मैजिस्ट्रेट द्वारा प्रथम अपराध की दशा में दो सौ पचास रुपए से अनधिक जुर्माने और द्वितीय या किसी पश्चात्पूर्वी अपराध के लिए पांच सौ रुपए से अनधिक जुर्माने या दोनों में से किसी भान्ति के छः मास के कारावास या दोनों से, दण्डनीय होगा।

अधिनियम के अधीन अभियोजन का वर्जन।

31. (1) कोई भी न्यायालय, परिषद् की पूर्व मंजूरी से किए गए परिव्राद के सिवाय इस अधिनियम के अधीन दण्डनीय किसी अपराध का संज्ञान नहीं करेगा।

(2) रजिस्ट्रार द्वारा इसधारा के अधीन परिव्राद, जिला के भीतर जहां परिषद् का कार्यालय अवस्थित है, सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय को सौंपा जाएगा।

अनुसूची को संशोधित करने की शक्ति।

32. राज्य सरकार, समय-समय पर राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, अनुसूची की किसी प्रविष्टि में परिवर्धन, संशोधन, फेरबदल या विखंडन कर सकेगी।

नियम बनाने की राज्य सरकार की शक्ति।

33. (1) राज्य सरकार, पूर्व प्रकाशन के पश्चात् इस अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए नियम बना सकेगी।

(2) विशिष्टतया और पूर्वगामी शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, राज्य सरकार, निम्नलिखित के लिए नियम बना सकेगी,—

(क) धारा 3 के अधीन निर्वाचन विनियमित करने;

(ख) धारा 20 के अधीन रखे जाने वाले रजिस्ट्रारों का प्ररूप विहित करने;

(ग) रजिस्ट्रीकृत नर्स, रजिस्ट्रीकृत हेल्थ विजिटर, रजिस्ट्रीकृत मिडवाईफ, रजिस्ट्रीकृत सहायक नर्स मिडवाईफ, रजिस्ट्रीकृत नर्स दाई, या रजिस्ट्रीकृत प्रशिक्षित दाई या दाईयों के व्यवसाय को सम्यक् सीमाओं में विनियमित या निर्बन्धित करने;

(घ) परिषद् द्वारा निम्नलिखित में अनुसरण की जाने वाली प्रक्रिया को विनियमित करने ;

(i) ऐसे रजिस्टर से हटाए गए व्यक्ति के नाम को रजिस्टर में पुनः दर्ज करने में और किसी रजिस्ट्रीकृत नर्स, रजिस्ट्रीकृत हेल्थ विजिटर, रजिस्ट्रीकृत मिडवाइफ, रजिस्ट्रीकृत सहायक नर्स मिडवाइफ, रजिस्ट्रीकृत नर्स दाई, रजिस्ट्रीकृत प्रशिक्षित दाई या रजिस्ट्रीकृत दाई के प्रति पारित व्यवसाय के निलम्बन के किसी आदेश को वापस लेने में; और

(ii) धारा 18 के अधीन रजिस्ट्रार के विनिश्चयों से अपीलों को निपटाने में;

(ङ) इस अधिनियम के अधीन उद्गृहीत फीस और इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए परिषद् द्वारा प्राप्त अन्य धन के उपयोजन को विनियमित करने; और

(च) राज्य सरकार, या परिषद् या रजिस्ट्रार अथवा परिषद् द्वारा गठित समिति द्वारा पारित आदेशों की प्रतियां अभिप्राप्त करने के लिए फीस विहित करने ।

(3) इस अधिनियम के अधीन बनाया गया प्रत्येक नियम, बनाए जाने के पश्चात्, यथाशक्य शीघ्र, हिमाचल प्रदेश विधान सभा के समक्ष, जब वह सत्र में हो, कुल मिला कर चौदह दिन से अन्यून अवधि के लिए रखा जाएगा। यह अवधि एक सत्र में अथवा दो या अधिक आनुक्रमिक सत्रों में पूरी हो सकेगी। यदि उस सत्र में जिसमें वह ऐसे रखा गया है या ठीक बाद के सत्र के अवसान के पूर्व विधान सभा उस नियम में कोई परिवर्तन करती है या यह विनिश्चय करती है कि वह नियम नहीं बनाया जाना चाहिए तो तत्पश्चात् वह ऐसे परिवर्तित रूप में प्रभावी होगा या निष्प्रभाव हो जाएगा। किन्तु नियम के ऐसे परिवर्तित या निष्प्रभाव होने से उसके अधीन पहले की गई किसी बात की विधिमान्यता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

34. (1) पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 (1966 का 31) की धारा 6 के अधीन हिमाचल प्रदेश को अन्तर्गत क्षेत्रों में यथा प्रवृत्त दि पंजाब नर्सज रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1932 (1932 का 1) एतद्वारा निरसित किया जाता है :

निरसन और व्यावृत्तियां ।

परन्तु ऐसा निरसन निम्नलिखित को प्रभावित नहीं करेगा,—

(क) इस प्रकार निरसित अधिनियम के पूर्व प्रवर्तन या तदधीन सम्बन्ध रूप से की गई या होने दी गई कोई बात; या

(ख) इस प्रकार निरसित अधिनियम के अधीन अर्जित, प्रोद्भूत या उपगत किसी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता या दायित्व; या

(ग) इस प्रकार निरसित अधिनियमिन्ति के विरुद्ध किए गए किसी अपराध के बारे में उपगत कोई शास्ति, समपहरण या दण्ड ; या

(घ) यथापूर्वोक्त, ऐसे किसी अधिकार विशेषाधिकार, बाध्यता, दायित्व या शास्ति, समपहरण, या दण्ड के बारे में कोई अन्वेषण, विधिक कार्यवाही या उपचार; और ऐसा कोई अन्वेषण, विधिक कार्यवाही या

उपचार संस्थित, जारी, या प्रवर्तित किया जा सकेगा और ऐसी कोई शास्ति, सम्पहरण या दण्ड अधिरोपित किया जा सकेगा मानो यह अधिनियम पारित नहीं किया गया था।

(2) उप-धारा (1) के परन्तुक के अधीन रहते हुए, की गई कोई बात या कार्रवाई (की गई नियुक्ति या प्रत्यायोजन, और जारी की गई अधिसूचना, आदेश, अनुदेश या निदेश, विरचित नियम या विनियम या विहित प्ररूप भी इस के अन्तर्गत है) जहां तक वह इस अधिनियम से असंगत नहीं है, इस अधिनियम के तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन की गई समझी जाएगी और वह तदनुसार प्रवर्तन में रहेगी जब तक कि वह इस अधिनियम के अधीन की गई किसी बात या किसी कार्रवाई द्वारा अधिकांश नहीं कर दी जाती है।

अनुसूची

[धारा 3 की उप-धारा (2) का खण्ड (ख) देखें]

1. उप-निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, हिमाचल प्रदेश।
2. निदेशक, प्रधानाचार्य, हिमाचल प्रदेश आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, शिमला।
3. उप-सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं (नर्सिंग), हिमाचल प्रदेश।
4. चिकित्सा अधीक्षक, हिमाचल प्रदेश राज्य अस्पताल, शिमला।
5. नर्सिंग प्रशासन में प्रशिक्षित मैट्रन।
6. वरिष्ठ नर्सिंग शिक्षक, हिमाचल प्रदेश राज्य अस्पताल, शिमला।
7. नर्सिंग अधीक्षक, लेडी रीडिंग अस्पताल, शिमला।
8. हेल्थ विजिटर प्रशिक्षण विद्यालय का प्रभारी अधीक्षक।
9. हिमाचल प्रदेश में वरिष्ठतम मुख्य चिकित्सा अधिकारी।
10. अवैतनिक सचिव प्रशिक्षित नर्स संगठन, हिमाचल प्रदेश शाखा।
11. नर्सिंग शिक्षण और प्रशासन में अनुभवी व्यक्ति।